ए आर आई-516

संकर प्रकार	:	अंतर प्रजातीय
जनक	:	वीटिस लैबृस्का x वीटिस विनीफेरा
मातृ जनक	:	कटावबा
पितृ जनक	:	ब्यूटी सीडलेस
उपयोग	:	खाने के लिए, किशमिश, जूस और वाइन बनाने के लिए
परिपक्वता अवधि	:	जल्दी, छंटाई के 110 -120 दिन बाद
गुच्छे का आकार	:	लम्बा और ढीला
गुच्छा परिपक्वता	:	सम
बेरी आकार	:	गोलाकार
बेरी रंग	:	नीला-काला
रस स्वाद	:	सुमधुर स्वाद
100 बेरी वजन	:	150 से 190 ग्राम
मिठास	:	22 से 24^0 B
अम्लता	:	0.4 - 0.6 %
रस	:	60 to 70 %
बीज	:	0 - 1 (अल्पविकसित)
रोगप्रतिकारक क्षमता	:	डाउनी, पाउडरी फफूंदी के लिए मध्यम प्रतिरोधी और एन्थ्रेक्नोज के प्रतिरोधी

विस्तार पुस्तिका २

दवारा
डॉ सुजाता तेताली और श्री एस वी फालके
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
एमएसीएस-आघारकर अनुसंधान संस्थान
जी.जी. आगरकर रोड, पुणे 411 004.

दवारा प्रकाशित :
निदेशक
डॉ. पी. के. ढाकेफलकर
एमएसीएस-आघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे - 411 004

नवम्बर 2022

संपर्क:
एमएसीएस-आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे
जी.जी. आगरकर रोड,
पुणे 411 004
फोन: 020-25325039
वेब: www.aripune.org

ए आर आई -516

महाराष्ट्र विज्ञान वर्धिनी

आघारकर अनुसंधान संस्थान

जी.जी. आगरकर रोड, पुणे 411 004

एआरआई– ५१६

अंगूर की यह किस्म एआरआई - 516 एमएसीएस-आघारकर अनुसंधान संस्थान में विकसित की गयी है। अंतर-जातीय अंगूर की यह किस्म वीटिस लबृस्का के कटावबा और वीटिस विनीफेरा के ब्यूटी सीड्लेस् के संकरण से प्राप्त की गयी है।

एआरआई- 516 जूस, किशमिश, जैम और रेड वाइन बनाने के लिए उपयुक्त है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाले फल प्राप्त होते हैं और प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक उपज होती है। यह एक जल्दी पकने वाली किस्म है जो छंटाई के बाद लम्बे गुच्छों और सुमधुर स्वाद वाले फलों के साथ 110 - 120 दिनों में परिपक्व होती है। यह प्रमुख कवक रोगों के लिए भी मध्यम प्रतिरोधी है।

इसकी उच्च उपज, स्वाद और प्रसंस्करण गुणों के कारण महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना और तमिलनाडु में खेती के लिए इनकी सिफारिश की गई है।

वाइनयार्ड प्रबंधन

- रोपण का समय: इसे अपने रूट सिस्टम पर या रूटस्टॉक पर लगाया जा सकता है।
- रूटस्टॉक डीग्रासेट या डोग्रिज (भारी मिट्टी के लिए) फरवरी माह में लगाया जा सकता है और अगस्त में परिपक्व केन (3 नोड) के साथ वेज ग्राफ्टिंग किया जा सकता है या इसे नर्सरी में ग्राफ्ट तैयार कर के उन्हें खेत में स्थानांतरण किया जा सकता है |
- अंतर और संधाई: बेल को वाइड एंगल Y ट्रेलिस पर पंक्तियों के बीच 2.74 मीटर (9 फीट) और पौधों के बीच 1.52 मीटर (5 फीट) की दूरी पर अंतर रखा जा सकता है।
- उर्वरक की मात्रा : 30 टन गोबर की खाद के साथ 500:600:700 किलोग्राम N:P:K के प्रति हेक्टेयर विभाजित मात्रा में, अप्रैल प्रूनिंग के दौरान 50% और अक्टूबर प्रूनिंग के दौरान 50%
- सूक्ष्म पोषक तत्व: MgSO4 @ 30 किग्रा/हेक्टेयर और ZnSO4 @ 10 किग्रा/हेक्टेयर
- छंटाई : 5-8 कलियों पर यदि स्पर्स बहुत कमजोर हैं, तो कमजोर भुजाओं की जगह बेंत से प्रून करें।
- फसल भार/बेल: पूरी फसल तीसरे से चौथे वर्ष में प्राप्त की जा सकती है।
- GA3 का उपयोग: बीज होने से GA की आवश्यकता नहीं है।
- रोगों के लिए प्रतिक्रिया: मध्यम रूप से डाउनी, पाउडर फफूंदी के लिए प्रतिरोधी और एन्थ्रेक्नोज के लिए प्रतिरोधी।

बेल वर्ण

- उपज: 10-15 किग्रा / बेल
- फलों की छंटाई का समय: अक्टूबर का दूसरा सप्ताह
- कलम अंकुरन के लिए लगने वाला समय: कम और फल छंटाई के बाद 6-8 दिन
- फूल : फलों की छंटाई के 35 दिन बाद
- पुष्पक्रम: 2-3 गुच्छा /बेंत
- गुच्छे का आकार : लंबा और शंक्वाकार
- गुच्छ घनत्व: शिथिल, विस्तारित फलों का गुच्छा
- लंबाई और आकार: 20-25 सेमी लंबाई, शंक्वाकार
- बेरी डंठल: 3 मिमी
- बेरी आकार: छोटा गोलाकार,1.2 x 1.2 सेमी
- बेरी रंग: नीला-काला
- बेरी पल्प: रसदार
- स्वाद: मधुर
- बेरी वजन: 1.5 से 1.9 ग्राम
- जीवनावधि: प्र-शीतित परिस्थितियों में 8 दिन
- बेरी पकने का समय: 110-120 दिन
- बेरी रस क्षमता : 60-70%
- TSS (मिठास): 22-24 ^{0}B
- फलों की अम्लता: 0.4-0.6%
- उपभोक्ताओं की पसंद: फल, जूस के साथ-साथ जैम और वाइन को भी उपभोक्ताओं ने खूब सराहा है.